अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2017) | दिनांक 20.12.2017

चतुर्थ वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

लघुदण्डक – 30

प्र.1 कोई चार द्वार लिखें – 20

(क) सतरहवां योग द्वार।
(ख) देवों की स्थिति।
(ग) गति–आगति द्वार – नौंवे देवलोक से अंत तक लिखें।
(घ) तिर्यंच की स्थिति।
(ङ) मनुष्य की अवगाहना।
(च) उत्पत्ति द्वार।

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें – 10

(क) संहनन द्वार।
(ख) अज्ञान द्वार।
(ग) दर्शन द्वार।
(घ) दृष्टि द्वार – पांच स्थावर से लेकर अंत तक लिखें।
(ड.) वेद द्वार – सात नारकी से लेकर अंत तक लिखें।
(च) च्यवन द्वार – छह नारकी से लेकर अंत तक लिखें।

पांच ज्ञान – 30

प्र.3 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 24

(क) श्रुत निश्रित मतिज्ञान के चार प्रकार से प्रारंभ करते हुए प्रतिबोधक दृष्टांत तक लिखें।
(ख) सम्पूर्ण आकाश के अनंत प्रदेश से प्रारंभ करते हुए गमिक, अगमिक, अंगप्रविष्ट व अनंगप्रविष्ट की व्याख्या करें।
(ग) संज्ञी श्रुत व असंज्ञी श्रुत के तीन प्रकार व्याख्या सहित लिखें।
(घ) क्षायोपशमिक अवधिज्ञान – संख्यात वर्ष.....से प्रारंभ करते हुए मध्यगत अवधिज्ञान के पहले तक लिखें।
(ङ) अवधिज्ञान के द्वारा देखने की शक्ति को यंत्र के माध्यम से समझाऐं।
(च) सम्यक श्रुत, मिथ्या श्रुत, दूसरी दृष्टि से – सम्यकदृष्टि का स्वामी.....श्रुत होते हैं का पूर्ण वर्णन करते हुए मतिज्ञान व श्रुतज्ञान में भेद लिखें।

प्र.4 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर लिखें – 6

(क) परम्पर सिद्ध केवलज्ञान के प्रकारों के नाम लिखें।
(ख) संज्ञा अक्षर का क्या तात्पर्य है?
(ग) अक्षरों की संयोजना से होने वाले बहुमुखी ज्ञान को क्या कहते हैं?
(घ) पारिणामिकी बुद्धि किसे कहते हैं?
(ङ) भवनपति में नौ निकाय किसके लिए प्रयुक्त होता है?
(च) मतिज्ञान के लिए और दूसरे किस शब्द का प्रयोग होता है?
(छ) नारक व देवता के कौन सा अवधिज्ञान होता है?

(गुणस्थान – दिग्दर्शन) गीतिका – 10

प्र.5 कोई दो पद्य भावार्थ सहित लिखें – 8

(क) ''प्रथम समय.....मिलावै रे।।'' (ख) ''देश मोह.....मांही रे।।''

(ग) ''ज्ञानावरणी दर्शनावरणी.....बंधायो रे।।'' (घ) ''इग्यार में बारम.....मांयो रे।।''

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें – 2

(क) क्षपक श्रेणी वाला किस क्रम से वेद को व किस गुणस्थान में क्षीण या उपशम करता है?

(ख) आयुष्य कर्म का उदय, उपशम, क्षय, क्षयोपशम निष्पन्न किस–किस गुणस्थानों में?

(ग) आठों कर्मों को जीव किन–किन गुणस्थानों में क्षीण करता है?

पूर्व कंठस्थ ज्ञान – 30

प्र.7 सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं –

(क) पच्चीस बोल – अंक 23 का भांगा 'अथवा' बीसवां बोल – आकाशास्तिकाय व काल। 3

(ख) चतुर्भंगी – उन्नीसवां बोल 'अथवा' बीसवां बोल। 3

(ग) पच्चीस बोल की चर्चा – बीसवां बोल 'अथवा' पांचवां बोल। 3

(घ) तत्त्व चर्चा – छह द्रव्यों पर छह में नौ की चर्चा 'अथवा' पुण्य धर्म आदि एक या दो? 3

(ड.) जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खण्ड) – पुण्य पाप 'अथवा' आश्रव लिखें। 3

(च) कर्म प्रकृति – आयुष्य कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति 'अथवा' स्थावर दशक के अंतिम पांच प्रकृति के नाम व्याख्या सहित लिखें। 4

(छ) बावन बोल – बाईस परीषह किस–किस कर्म के उदय से? 'अथवा' जीव पारिणामिक के दस भेद छह द्रव्य में कौन? नौ तत्व में कौन? 3

(ज) इक्कीस द्वार – कोई एक बोल लिखें – 4

(i) असंज्ञी (ii) अपरीत।

(झ) जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीय खंड) – व्रताव्रत द्वार – चारित्र के अधिकारी निर्ग्रन्थ होते हैं से लेकर प्रथम दो दोहों तक लिखें। 'अथवा' पुण्य–पाप द्वार लिखें। 4